भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **2392** जिसका उत्तर

सोमवार, 9 **दिसंबर,** 2019/18 अग्रहायण, 1941 (शक) को दिया जाना है

वाराणसी से हल्दिया तक गंगा जलमार्ग

2392. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नौवहन संबंधी कार्यों को बढ़ावा देने के लिए वाराणसी से हल्दिया तक गंगा जलमार्गों को माल ढुलाई हेतु उपयुक्त बनाने हेतु क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सच है कि गंगा में, विशेषतः ग्रीष्म ऋतु में कई स्थानों पर जल स्तर बहुत कम हो जाता है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की इस चुनौती का सामना करने और नदी के तल से गाद निकालने के संबंध में योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क): जी, हां। राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)-1 (इलाहाबाद से हल्दिया तक गंगा-भगीरथी-हुगली नदी प्रणाली) पहले से ही प्रचालन में है और इस पर जलयानों की आवाजाही हो रही है। इसके अतिरिक्त, विश्व बैंक की तकनीकी एवं वित्तीय सहायता के साथ रा.ज.-1 के हल्दिया-वाराणसी जलखंड पर नौचालन क्षमता के संवर्धन हेतु 5369.18 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर जलमार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना में विभिन्न अवसंरचनाओं जैसे की वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया पर मल्टीमॉडल टर्मिनलों का निर्माण, रो-रो टर्मिनलों, फरक्का में नैविगेशनल लॉक, चैनल मार्किंग प्रणाली, एकीकृत जलयान मरम्मत एवं रखरखाव सुविधाएं, डिफरेन्शियल ग्लोबल पुजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) की स्वचलित सूचना प्रणाली और नदी सूचना प्रणाली (आर आई एस) दिन एवं रात्रि के समय नौचालन करने संबंधी सहायताएं, फेयरवे विकास के लिए नदी प्रशिक्षण एवं नदी संरक्षण कार्यों का विकास करना शामिल है। सांविधिक अनुमतियों प्राप्त होने के पश्चात् तीन वर्षों की अवधि में लगभग 1800 करोड़ रुपए की मूल्य वाली परियोजनाओं को वास्तविक रूप में शुरू कर दिया गया है।

(ख) और (ग): गैर-बरसाती मौसम (जनवरी से जून) के दौरान बहाव में मौसमी परिवर्तनों के कारण कुछ जलखंडों में कभी-कभी जल-स्तर 2 मीटर से भी कम हो जाता है जिसकी निगरानी भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा लगातार की जाती है। जेएमवीपी के अंतर्गत, हल्दिया-बार्ह, बार्ह-गाजिपुर और गाजिपुर-वाराणसी के जलखंडों में क्रमशः 3 मीटर, 2.5 मीटर और 2.2 मीटर का न्यूनतम उपलब्ध डुबाव (एलएडी) प्रदान करने के लिए एक व्यापक सुनिश्चित गहराई वाली ड्रेजिंग प्रबंधन योजना तैयार की गई है। रा.ज.-1 पर सुनिश्चित गहराई वाले ड्रेजिंग कार्यों को शुरू किया गया है।

******